>**Title:** Demand to develop the various religious places and places of historical importance of Bihar as tourist centres by providing adequate infrastructure.

**श्री रघुनाथ झा (गोपालगंज) :** अध्यक्ष महोदय, बिहार में बौद्ध, जैन तथा सिख धर्म से संबंधित बहुत से पर्यटन स्थल हैं, जिसमें राजगीर, पावापुरी, नालन्दा, बौध गया, वैशाली, पटना हरमंदिर साहिब के नाम उल्लेखनीय हैं। वस्तुत: राजगीर, बौध गया एवं नालन्दा पूरे विश्व के बौद्ध धर्म के अनुयाइयों के लिए धार्मिक दृटिकोण से सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। यदि यहां तक पहुंचने के लिए तीव्र एवं सुरक्षित आवागमन के साधन और ठहराव की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हों तो ये संसार के सबसे लोकप्रिय पर्यटक स्थलों के समकक्ष आ सकते हैं। इस बुद्धिस्ट सर्किट की पर्यटन संबंधी उपरोक्त असीम क्षमता का दोहन करने के लिए जरूरी है कि इन प्रयटन स्थलों को आपस में जोड़ने के प्रयोजन से आधुनिकतम संचार एवं परिवहन सुविधाएं प्रदान की जाएं और पर्यटन संबंधी बुनियादी सुविधाएं, होटल, मनोरंजन पार्क, गोल्फ कोर्स आदि विकसित किए जाएं। इन स्थानों को बुद्धिस्ट सर्किट के उत्तर प्रदेश और नेपाल स्थित कुशीनगर, सारनाथ, लुम्बिनी स्थलों को भी सड़क एवं वायु मार्ग से जोड़ने की आवश्यकता है।

महोदय, इसी प्रकार सीतामढ़ी, बाल्मिकी नगर, बक्सर, सीताकुंड हैं, जहां भगवान राम और उनसे जुड़े हुए ऐतिहासिक एवं पौराणिक व्यक्तियों की कर्मभूमि है। इन स्थलों को बुद्धिस्ट सर्किट के पैटर्न पर रामायण सर्किट के रूप में विकसित किए जाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त सोनपुर का विश्व प्रसिद्ध हरिनाथ क्षेत्र का पशु मेला, शेरशाह सूरी का सासाराम स्थित मकबरा, मधुबनी पेंटिंग विक्रमशीला का प्राचीन विश्वविद्यालय, लौरेरिया का अशोक स्तंभ, भीम बांध और बेगूसराय का जयमंगलागढ़ा (शक्तिपीठ), गोपालगंज का थावें स्थित शक्तिपीठ आदि अनेकों ऐसे स्थल हैं, जिनकी पर्यटन संबंधी संभावनाओं को विकसित करने में भारत सरकार शत-प्रतिशत सहयोग देकर विकसित करे, यह मैं मांग करता हूं।

â€¦( व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY (MIRYALGUDA): Sir, I have given a notice on the Adjournment Motion....(*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI PRAMOD MAHAJAN): So what, if you have given the notice. It is one o'clock now....(*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY : I gave the notice before 10.00 O' clock....(*Interruptions*)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Has the Speaker given his consent?â€¦ (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Jaipal Reddy, you have given an adjournment notice which is under my consideration.

SHRI S. JAIPAL REDDY : Sir, it is an on-going affair.â€¦ (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is under my consideration.

SHRI S. JAIPAL REDDY : Kindly permit me to inform the House, through you, Sir...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: When the Chair says that it is under his consideration, how can you raise the matter in the House? There is no procedure to raise it in such a case.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Once it is under the consideration of the Chair, the Chair has to decide. How can you raise it?

SHRI S. JAIPAL REDDY : I abide by your decision. I am not going to speak but you may kindly permit me to mention...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

* Not Recorded

13.00 hrs.

MR. SPEAKER: Nothing should go on record.

*(Interruptions) â€¦**

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, this should not be part of the record.

MR. SPEAKER: I have already said that it should not go on record.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Since it is under my consideration, it cannot be raised.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the statement of Shri Ramji Lal Suman.

**श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) :** अध्यक्ष महोदय, 13 दिसम्बर से उद्योग भवन पर मारूति उद्योग के श्रमिक धरने पर थे। - ।

MR. SPEAKER: Shri Ramji Lal Suman, you have given notice about the health workers. आप कैसे इस मैटर को रेज कर सकते हैं। This will not go on record.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: If you want to raise anything about health workers, you can raise it. Otherwise, you cannot because this not the procedure.

...(*Interruptions*)

**श्री रामजीलाल सुमन :** अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी बोलना चाहते हैं।

MR. SPEAKER: You have given notice on a different matter. How can you raise the matter regarding Maruti Udyog? Nothing should go on record.

*(Interruptions) â€¦**

* Not Recorded

MR. SPEAKER: I am asking you, how can you raise a different matter while your notice is on other matter? Everything is important. The other notices are also on important matters.